साहित्य संहिता
Available at http://www.sahityasamhita.org/
ISSN 2454-2695
Volume 03 Issue 01
January 2017

ढूंढा हमने तुम्हें

नाम -आरती
पिता - श्री कर्म बीर
माता -श्रीमती सरोज शर्मा
शिक्षा - एम० ए०,(NET)

---------- ढूंढा हमने तुम्हें ---------

--

ढूंढा हमने तुम्हें

दिन के उजालों में

रातों के अंधेरों में

सूरज की धूप में

चन्दा की छांव में

पर मिलें तुम

मन की गहराइयों में

--

ढूंढा हमने तुम्हें

बसंत के सवेरों में

ISSN 2454-2695
Volume 03 Issue 01
January 2017

पतझड़ की शामों में

कोयल की चहचाहट में

पेड़ों के पत्तों में

पर मिलें तुम

पक्के इरादों में

--

ढूंढा हमने तुम्हें

बरसा की बूंदों में

नदियों के किनारों में

बगीचे के फूलों में

खेतों की फसलों में

पर मिलें तुम

ईमानदार इन्सानों में

--

ढूंढा हमने तुम्हें

जहाजों की उड़ानों में

रेल के डिब्बों में

बसों के अड्डों में

ISSN 2454-2695
Volume 03 Issue 01
January 2017

सड़कों के गड्ढों में

पर मिलें तुम

सच्ची चाहतों में

--

ढूंढा हमने तुम्हें

सुंदर मंदिरों में

मस्जिद की सीढ़ियों में

धार्मिक पुस्तकों में

व्रतों और उपवासों में

पर मिलें तुम

जन की सेवा में

--